Deen Dayal Upadhyaya Gorakhpur University

(Accredited A++ by NAAC)

University in News on 23 September 2024

Dainik Jagran
Page - 06

तलाश रहे श्रीअन्न की प्रचुर पैदावार की संभावना

गोवि में आठ प्रकार के श्रीअन्न की 36 प्रजाति पर हो रहा अध्ययन, किसानों को प्रोत्साहित करना है लक्ष्य

डा. राकेश राय • जागरण

गोरखपुर : पूर्वांचल के वह किसान जो पैदावार कम होने की वजह से श्रीअन्न की खेती नहीं कर पा रहे हैं, उनके लिए अच्छी खबर है। जल्द उन्हें श्रीअन्न की उस प्रजाति की जानकारी मिल जाएगी, जिससे भरपूर पैदावार लेना संभव हो सकेगा। दीनदयाल उपाध्याय गोरखपुर विश्वविद्यालय के वनस्पति विज्ञान विभाग के असिस्टेंट प्रोफेसर डा. रामवंत गुप्ता इसे लेकर अध्ययन की प्रक्रिया आगे बढ़ा चुके हैं। इसे लेकर परिणाम की ओर भी बढ़ चले हैं।

दीन दयाल उपाध्याय गोरखपुर विश्वविद्यालय के दीक्षा भवन के बगल में उपजाई गई श्रीअन्न की प्रजातियों का अध्ययन करते शोधार्थी • जागरण

अध्ययन के लिए डा. रामवंत ने अपने शोधार्थियों के सहयोग से विश्वविद्यालय के दीक्षा भवन के बगल में आठ प्रकार के श्रीअन्न की 36 प्रजातियों की रोपाई कर रखी है। इनमें से रागी की 41 प्रजाति पर अलग से अध्ययन का बीड़ा उन्होंने उठा रखा है। इनमें वह प्रजातियां लहलहा रही हैं, जिन्हें पूर्वांचल की धरती ने स्वीकार कर लिया है। उपज की दृष्टि से अध्ययन का परिणाम आना अभी बाकी है, लेकिन उनका अध्ययन उस मुकाम पर पहुंच चुका है, जिससे पूर्वांचल में श्रीअन्न की पैदावार बढ़नी निश्चित है। डा. रामवंत ने बताया उनके अध्ययन के दायरे में जो आठ प्रकार के श्रीअन्न हैं, उनमें ज्वार, बाजरा, रागी (मडुआ), कंगिनी, चना, सनावा, कुटकी, कोदो शामिल हैं। अध्ययन में वह यह देखने का प्रयास कर रहे हैं कि किस फसल को जमीन से लेकर आसमान तक से विकास में सहयोग मिल रहा है। कौन सी फसल ज्यादा अच्छे तरीके से सूर्य की रोशनी की मदद से प्रकाश संश्लेषण की प्रक्रिया पूरी कर पा रही है और कौन सी फसल अधिक मात्रा में कार्बन डाई आक्साइड ग्रहण कर रही है। इसके लिए वह अत्याधुनिक मशीनों का इस्तेमाल भी कर रहे हैं। यह प्रक्रिया जिस फसल में आसानी से संपन्न होगी, उसकी पैदावार भी पूर्वांचल में भरपूर होगी। जब किसान अधिक पैदावार वाला श्रीअन्न पैदा करेंगे तो लोगों तक कम दाम में श्रीअन्न की उपलब्धता सुनिश्चित हो सकेगी।

हैदराबाद से आई है प्रजातियां

डा. रामवंत ने बताया कि श्रीअन्न की अधिक से अधिक प्रजातियों के बीज को प्राप्त करने के लिए उन्हें हैदराबाद के इंडियन इंस्टीट्यूट आफ मिलेट रिसर्च से संपर्क साधना पड़ा। श्रीअन्न पर शोध के इस प्रतिष्ठित संस्थान को भारत सरकार की ओर से सेंटर आफ एक्सीलेंस का दर्जा प्राप्त है। शोध करने के लिए उत्तर प्रदेश काउंसिल आफ एग्रीकल्चरल रिसर्च से आर्थिक सहयोग भी प्राप्त है।

डा. रामवंत गुप्ता

डा. रामवंत हमारे विश्वविद्यालय के मेधावी शिक्षक व शोधार्थी हैं। श्रीअन्न पर उनका अध्ययन निश्चित रूप से श्रीअन्न की खेती करने के इच्छुक किसानों के लिए मार्गदर्शक बनेगा। अध्ययन के बाद श्रीअन्न के देश भर के उत्पादन में पूर्वांचल की भागीदारी बढ़ेगी। पूर्वांचल के लोगों को कम कीमत पर श्रीअन्न उपलब्ध हो सकेगा।

प्रो. पूनम टंडन, कुलपति, दीनदयाल उपाध्याय गोरखपुर विश्वविद्यालय

Hindustan
Page - 06

विवि के दीक्षा भवन से डीफॉर्म का प्रवेश परीक्षा देकर निकलते अभ्यर्थी।

फार्मेसी के लिए 563 अभ्यर्थियों ने दी प्रवेश परीक्षा

गोरखपुर। डीडीयू में वर्तमान सत्र से शुरू हो रहे बीफार्म और डीफॉर्म के लिए रविवार को प्रवेश परीक्षा आयोजित हुई। दो पालियों में आयोजित इस परीक्षा में 687 पंजीकृत अभ्यर्थियों में से 563 ने परीक्षा दी, जबकि 124 ने परीक्षा छोड़ दी। सुबह की पाली में बीफार्म की प्रवेश परीक्षा में 357 पंजीकृत में 285 उपस्थित और 72 अनुपस्थित रहे। दूसरी पाली में डीफार्म में पंजीकृत 330 में से 278 उपस्थित और 52 अनुपस्थित रहे।

Amar Ujala
Page - 08

डीडीयू : बी-फार्मा और डी-फार्मा के लिए 544 अभ्यर्थियों ने दी प्रवेश परीक्षा

संवाद न्यूज एजेंसी

गोरखपुर। दीनदयाल उपाध्याय गोरखपुर विश्वविद्यालय में इस सत्र से शुरू होने वाले फार्मेसी पाठ्यक्रमों के लिए रविवार को प्रवेश परीक्षा आयोजित हुई। बी फार्मा और डी फार्मा में 544 अभ्यर्थियों ने परीक्षा दी।

दीक्षा भवन में प्रवेश परीक्षा कड़ी निगरानी में संपन्न हुई। सुबह की पाली में बी फार्मा की प्रवेश परीक्षा में पंजीकृत 331 में कुल 266 अभ्यर्थी शामिल हुए। इसमें गणित संवर्ग के कुल 26 अभ्यर्थियों में से 19 उपस्थित रहे। दूसरी पाली में डी फार्मा की प्रवेश परीक्षा संपन्न हुई। इसमें कुल 330 अभ्यर्थी पंजीकृत थे। बायो ग्रुप में पंजीकृत 268 पंजीकृत में से 225 सम्मिलित हुए।

प्रवेश परीक्षा देकर बाहर निकलते अभ्यर्थी। अमर उजाला

दीक्षा भवन में हुई परीक्षा, पहली बार शुरू हो रहा पाठ्यक्रम

गणित ग्रुप के 62 पंजीकृत अभ्यर्थियों में से 53 ने परीक्षा दी। परीक्षा की शुचिता को बनाए रखने के लिए विश्वविद्यालय प्रशासन ने केंद्राध्यक्ष एवं पर्यवेक्षक को छोड़कर केंद्र पर कार्य कर रहे सभी कक्ष निरीक्षक एवं कर्मचारियों के भी मोबाइल जमा करा लिए गए। मुख्य नियंता एवं उनकी टीम पूरी मुस्तैदी के साथ परीक्षा केंद्र पर अनुशासन बनाए रखने के लिए मौजूद रही।

Inext Page - 04

दैनिक जागरण आईनेक्स्ट की हेल्थ व पर्यावरण संरक्षण की यह पहल शानदार है. हर साल लोगों को जागरूक करने के लिए यह आयोजन किया जाता है. बाइकाथन प्रोग्राम से मोटिवेट होकर लोग अपनी हेल्दी लाइफ के लिए रोजाना साइकिलिंग करने के लिए प्रेरित हो रहे हैं.

प्रो. पूनम टंडन, वीसी

रैली में साइकिल इनाम जीतने वाले तीनों साइकिलिस्ट.

रैली में ओमनीजेल की ओर से इनाम जीतने वाले पांचों साइकिलिस्ट.

Amar Ujala Select
Page - 04

दीक्षा भवन से डी फार्मा की प्रवेश परीक्षा देकर बाहर निकलते अभ्यर्थी।

डीडीयू : बी फार्मा और डी फार्मा में प्रवेश के लिए 544 अभ्यर्थियों ने दी परीक्षा

गोरखपुर। दीनदयाल उपाध्याय गोरखपुर विश्वविद्यालय में इस सत्र से शुरू होने वाले फार्मेसी पाठ्यक्रमों के लिए रविवार को प्रवेश परीक्षा आयोजित हुई। बी फार्मा और डी फार्मा में 544 अभ्यर्थियों ने परीक्षा दी। दीक्षा भवन में प्रवेश परीक्षा कड़ी निगरानी में संपन्न हुई। सुबह की पाली में बी फार्मा की प्रवेश परीक्षा में पंजीकृत 331 में कुल 266 अभ्यर्थी शामिल हुए। इसमें गणित संवर्ग के कुल 26 अभ्यर्थियों में से 19 उपस्थित रहे। दूसरी पाली में डी फार्मा की प्रवेश परीक्षा संपन्न हुई। इसमें कुल 330 अभ्यर्थी पंजीकृत थे। बायो ग्रुप में पंजीकृत 268 पंजीकृत में से 225 सम्मिलित हुए। गणित ग्रुप के 62 पंजीकृत अभ्यर्थियों में से 53 ने परीक्षा दी। परीक्षा की शुचिता को बनाए रखने के लिए विश्वविद्यालय प्रशासन ने केंद्राध्यक्ष एवं पर्यवेक्षक को छोड़कर केंद्र पर कार्य कर रहे सभी कक्ष निरीक्षक एवं कर्मचारियों के मोबाइल जमा करा लिए गए।

Swatantra Chetna
Page -05

बी.फार्मा में 65 तो डी.फार्मा में 52 अभ्यर्थी रहे अनुपस्थित

□ बी.फार्मा एवं डी.फार्मा की प्रवेश परीक्षा सकुशल संपन्न

स्वतंत्र चेतना

गोरखपुर। विश्विद्यालय के दीक्षा भवन में रविवार को विश्वविद्यालय प्रशासन की कड़ी निगरानी बी.फार्म एवं डी.फार्म की प्रवेश परीक्षा शांतिपूर्ण एवं सुव्यवस्थित ढंग से सम्पन्न हुई। विश्वविद्यालय में इस सत्र में प्रवेश की यह अंतिम परीक्षा थी। रविवार को प्रथम पाली में बी.फार्म की प्रवेश परीक्षा आयोजित हुई जिसमें 65 विद्यार्थी अनुपस्थित थे। परीक्षा में पंजीकृत कुल 331 में कुल 266 अभ्यर्थियों ने परीक्षा दी। गणित संवर्ग के कुल 26 अभ्यर्थियों में से 19 अभ्यर्थी तथा बायो संवर्ग में 275 में से 247 अभ्यर्थी उपस्थित रहे। जबकि द्वितीय पाली में आयोजित डी. फार्म की प्रवेश परीक्षा में 52 अभ्यर्थी अनुपस्थित रहे। डी.फार्मा में प्रवेश हेतु कुल 330 अभ्यर्थी पंजीकृत थे। जिसमे बायो ग्रुप में कुल 268 पंजीकृत अभ्यर्थियों में से 225 अभ्यर्थी तथा गणित ग्रुप के 62 पंजीकृत अभ्यर्थियों में से 53 अभ्यर्थियों ने परीक्षा दी। द्वितीय पाली में कुल 278 अभ्यर्थियों ने परीक्षा दी।

विश्वविद्यालय प्रशासन ने परीक्षा की शुचिता को बनाए रखने के लिए केन्द्राध्यक्ष एवं पर्यवेक्षक को छोड़कर केन्द्र पर कार्य कर रहे सभी कक्ष निरीक्षक एवं कर्मचारियों के भी मोबाइल जमा करा लिए थे। मुख्य नियंता एवं उनकी टीम पूरी मुस्तैदी के साथ परीक्षा केन्द्र पर अनुशासन बनाए रखने के लिए मौजूद रही।

Nirbhik India

बी0फार्मा व डी0फार्मा प्रवेश परीक्षा पूर्ण

गोरखपुर, संवाददाता- बी.फार्म एवं डी.फार्म की प्रवेश परीक्षा 2024 आज दीक्षा भवन में विश्वविद्यालय प्रशासन की कड़ी निगरानी में सम्पन्न हुई। विश्वविद्यालय में इस सत्र में प्रवेश की यह अंतिम परीक्षा थी जो पहले की परीक्षाओं की तरह ही शांतिपूर्ण एवं सुव्यवस्थित ढंग से सम्पन्न हो गई।आज प्रातः पाली में सम्पन्न बी.फार्म की प्रवेश परीक्षा में पंजीकृत 331 में कुल 266 अभ्यर्थियों ने आज परीक्षा दी । गणित संवर्ग के कुल 26 अभ्यर्थियों में से 19 अभ्यर्थी उपस्थित रहे। द्वितीय पाली में डी. फार्म की प्रवेश परीक्षा सम्पन्न हुई। जिनमें कुल 330 अभ्यर्थी पंजीकृत थे।आज बायो ग्रुप में कुल 268 पंजीकृत अभ्यर्थियों में से 225 अभ्यर्थी सम्मिलित हुए। गणित ग्रुप के 62 पंजीकृत अभ्यर्थियों में से 53 अभ्यर्थियों ने परीक्षा दी।परीक्षा की शुचिता को बनाए रखने के लिए विश्वविद्यालय प्रशासन ने केन्द्राध्यक्ष एवं पर्यवेक्षक को छोड़कर केन्द्र पर कार्य कर रहे सभी कक्ष निरीक्षक एवं कर्मचारियों के भी मोबाइल जमा करा लिए गए। मुख्य नियंता एवं उनकी टीम पूरी मुस्तैदी के साथ परीक्षा केन्द्र पर अनुशासन बनाए रखने के लिए मौजूद रही